सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 136 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 22 जून, 2023
मूल्य ₹ 3/-

सबसे मुश्किल काम है सोचना, शायद यही कारण है कि इसमें इतने कम लोग लगे होते हैं।

-हेनरी फोर्ड

उद्धव ठाकरे परिवार को नहीं मिलेगी... 8 | सियासत है करनी तो पड़ेगी! गीता... 3 | मणिपुर की हिंसा ने राष्ट्र की 7

# बिहार में आईटी-ईडी की छापेमारी पर घमासान

## विपक्ष ने मोदी सरकार को घेरा

» कल होनी है विपक्षी दलों की बैठक
» बेगूसराय में हो रही छापेमारी
» मंत्री के रिश्तेदार और नीतीश के करीबी पर रेड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र की भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का एलान करने के लिए पटना में 23 जून को होने वाली विपक्षी दलों की बैठक से एक दिन पहले बिहार में आईटी व ईडी की छापेमारी के बाद सियासी कोहराम मच गया है। जदयू ने भाजपा पर हमला करते हुए इसे कायरतापूर्ण कार्रवाई करार दिया है। विपक्ष के अन्य दलों ने भी इसको लेकर मोदी सरकार को घेरा है। विपक्षी नेताओं ने कहा है सरकार के तानाशाही से हम नहीं डरेंगे और सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ आज उठाते रहेंगे। गौरतलब हो कि कल महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के करीबियों के यहां भी रेड की गई थी। बिहार के बेगूसराय में राज्य सरकार के मंत्री विजय कुमार चौधरी के रिश्तेदार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी माने जाने वाले बिजनेसमैन के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर (आईटी) ने एक साथ धावा बोला।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर (आईटी) टीम ने बेगूसराय में उद्योगपति अजय कुमार सिंह उर्फ कारों सिंह के घर पर छापेमारी किया है। यह छापेमारी नगर थाना क्षेत्र के विश्वनाथ नगर मोहल्ले में की जा रही है जिससे मोहल्ले में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ईडी और इनकम टैक्स के अधिकारी तकरीबन 6:00 बजे सुबह में ही पहुंचे हैं। इस संबंध में अधिकारी अभी कुछ भी बताने से इंकार कर रहे हैं। इस दौरान दोनों तरफ से पुलिस ने घेराबंदी कर दी है।

### नीतीश-ललन के करीबी हैं कारू

अजय सिंह उर्फ कारू सिंह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी मंत्री विजय चौधरी के साले हैं जिनके आवास पर ईडी और इनकम टैक्स ने छापेमारी किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिल्डर कारू सिंह जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह के भी करीबी हैं। ईडी और इनकम टैक्स की टीम 7 गाड़ियां से छापेमारी करने के लिए पहुंची है। बताया जा रहा है कि इनके एक और ठिकाने पर छापेमारी की जा रही है।

### अन्य ठिकानों पर भी चल रही छापेमारी

जानकारी के मुताबिक फुलवरिया थाना क्षेत्र के फुलवरिया स्थित छड़ के गोदाम में भी छापेमारी की जा रही है। फिलहाल मुख्य द्वार पर सुरक्षाकर्मी की सख्त तैनाती है इस वजह से न तो किसी को अंदर जाने की इजाजत है और न ही किसी को बाहर निकलने दिया जा रहा है।

## यूपी और दिल्ली के ज्वैलर्स-बुलियन व्यापारियों के यहां आईटी के छापे

» लखनऊ के रिद्धि व कानपुर में राधामोहन जवैलर्स के यहां रेड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी और दिल्ली के ज्वैलर्स/बुलियन व्यापारियों के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी जारी है। आई ने आज सुबह आय से अधिक संपत्ति के मामले में दिल्ली एनसीआर ,लखनऊ, कानपुर, कोलकाता में छापेमारी की है। कानपुर के राधामोहन पुरुषोत्तम दास ज्वैलर्स पर छापेमारी की खबर है। यह छापेमारी फीलखाना थाना क्षेत्र के बिरहाना रोड पर की गई है। एमराल्ड गार्डन हाउसिंग के प्रमोटर पर भी छापों की कार्रवाई हुई है। जानकार के अनुसार संजीव झुनझुनवाला के 17 ठिकानों पर छापेमारी अब भी जारी है। कानपुर नगर में संजीव झुनझुनवाला एक बड़ा नाम है। उनकी कंपनी ने एमराल्ड गुलिस्तान, एमराल्ड चैम्बर जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स बनाए हैं झुनझुनवाला की कंपनी है मॉर्निंग ग्लोरी इंफ्रा, रितु हाउसिंग, कानपुर के नयागंज में वागला बिल्डिंग में भी छापा मारा गया है। चांदी व्यापारी मुन्ना जाकोड़िया पर भी आईटी की रेड हुई है। कानपुर के जुगल किशोर ज्वैलर्स पर भी छापेमारी जारी है। वही राजधानी लखनऊ में भी कई जगह इनकम टैक्स की कार्रवाई जारी है। यहां के कई प्रतिष्ठित ज्वैलर्स/कारोबारियों पर इनकम टैक्स का छापा पड़ा है। ये छापे महानगर,अमीनाबाद,चौक के ज्वैलर्स के संस्थानों पर हुए हैं। इनमें महानगर में रिद्धि ज्वैलर्स की दुकान शामिल है। आज सुबह 6 बजे से यह कार्रवाई की जा रही है। 3 गाड़ियों से आईटी टीम पहुंची हैं ।

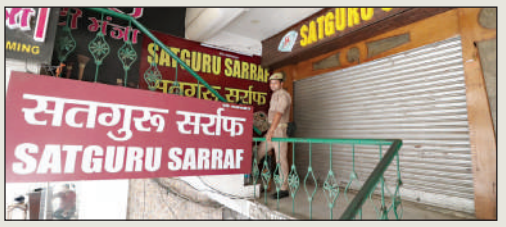


# पोस्टरवार में वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में विपक्षी दलों की बैठक से पहले पोस्टर वॉर शुरू हो गया है। यहां राजधानी पटना की गलियां इन पोस्टर और होर्डिंग से पटी हुई हैं। इन पोस्टरों में विपक्षी दलों और प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा गया है। पटना में लगे पोस्टरों पर भारतीय जनता पार्टी लिखा हुआ है।

वहीं, एक अन्य पोस्टर में आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तस्वीर है और उसमें दिख रहे शख्स का नाम विकास कुमार ज्योति लिखा हुआ है। अरविंद केजरीवाल वाले पोस्टर पर लिखा है- न आशा है, न विश्वास है। सम्हल कर रहना देश के लोगों ऐ नीतीश कुमार है। मोदी जी का खासमखास है।

### विपक्ष ने किया राहुल गांधी को भावी पीएम घोषित

पटना में प्रस्तावित बैठक के लिए तैयारी चरम पर है। विपक्षके नेता भी पोस्टर लगाकर बीजेपी को घेर रहे हैं। बिहार विधानसभा के सामने वैशाली के राजापकार की विधायक प्रतिमा कुमारी दास पोस्टर लगाकर कांग्रेस के नंबर वन नेता राहुल गांधी को भावी प्रधानमंत्री घोषित कर दिया है।

# नहीं थम रही मणिपुर में हिंसा

» अज्ञात बंदूकधारियों व जवानों के बीच गोलीबारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले के उत्तरी बोलजांग में बृहस्पतिवार तड़के करीब पांच बजे अज्ञात बंदूकधारियों और असम राइफल्स के जवानों के बीच गोलीबारी की सूचना मिली है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इलाके में स्थिति नियंत्रण में है और बंदूकधारियों को पकड़ने के लिए तलाश अभियान जारी है।

### गृह मंत्री ने 24 जून को बुलाई सभी दलों की बैठक

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में जातीय हिंसा पर चर्चा के लिए 24 जून को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक दिल्ली में दोपहर 3 बजे होगी। मणिपुर में 3 मई से मेइतेई और कुकी के बीच जातीय संघर्ष हुआ है, जिसमें 100 से अधिक लोग मारे गए हैं, 300 से अधिक घायल हुए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

सूत्रों के मुताबिक, वहीं बुधवार शाम इंफाल ईस्ट जिले में वाईकेपीआई के उत्तर में उरंगपत के पास स्वचालित छोटे हथियारों से गोलीबारी करने की आवाजें सुनी गईं।

# जनता बड़े प्यार से शिवराज को करेगी विदा : कमलनाथ

### » सरकार आई तो ओबीसी को देंगे 27 प्रतिशत आरक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ राज्य सरकार को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे। बड़े-बड़े वादे भी कर रहे हैं। उन्होंने शाजापुर जिले में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया। साथ ही भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले भाजपा को बहनें, किसान और कर्मचारी याद आ रहे हैं। लेकिन मध्य प्रदेश की जनता भी शिवराज सरकार को विदा करने का तय कर चुकी है।**

मैं भी आपको बड़े प्यार से विदा करूंगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। कमलनाथ यह बोल तो गए, लेकिन यह इतना आसान नहीं रहने वाला। 27 प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा भाजपा ने भी की थी, लेकिन अमलीजामा नहीं पहना सकी। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में चुनौती मिली तो राज्य की भाजपा सरकार को अपने फैसलों से पीछे हटना पड़ा।

अब कमलनाथ ने एक बार फिर यही मुद्दा छेड़ दिया है। उन्होंने अपने पुराने वादे भी दोहराए और कहा कि 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जाएगा। महिलाओं को नारी सम्मान योजना के तहत 1500 रुपये हर महीने मिलेंगे। 100 यूनिट बिजली माफ होगी और 200 यूनिट बिजली का बिल हाफ हो जाएगा। किसानों की कर्जमाफी की योजना दोबारा शुरू की जाएगी। कमलनाथ ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में रजिस्टर्ड बेरोजगार युवाओं की संख्या 40 लाख से अधिक हो गई है। नौजवानों का सरकार पर से भरोसा उठ गया है। लगभग एक करोड़ नौजवान प्रदेश में बेरोजगार बैठे हैं। मध्य प्रदेश पर निवेशकों को भी भरोसा नहीं रहा, जो निवेश के लिए सबसे ज्यादा आवश्यक है।

### भ्रष्टाचार ऐसा कि भगवान की मूर्तियां तक बना दीं खोखली

पत्रकारों से बातचीत में कमलनाथ ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ने आज प्रदेश को घोटाला प्रदेश बनाकर रख दिया है। महाकाल लोक के निर्माण कार्य में घोटाला किया। भ्रष्टाचार करने में धर्म को भी नहीं छोड़ा। इस खोखली सरकार ने भगवान की मूर्तियां तक खोखली बनाई। देशभर में प्रदेश को कलंकित किया है। किस प्रकार सिंहस्थ क्षेत्र में अवैध रूप से भूमि का डायवर्शन कर दिया गया। 2028 में होने वाले सिंहस्थ से पहले ही जमीनों का लैंड यूज चेंज किया गया। इस प्रकार के घपले-घोटाले धर्म के नाम पर किए गए। पूरा देश देख रहा है कि हमारे तीर्थ स्थल भी भाजपा के राज में सुरक्षित नहीं है। राजधानी भोपाल के सतपुड़ा भवन में आग लगी तो वह 17 घंटों तक बुझाई नहीं जा सकी। यह आग लगी या लगाई गई, इस पर भी हमें संदेह है।

# सीएम ने विजयवर्गीय को बेचारा बनाया : जयवर्धन

### » बंगाल में काफी मेहनत की पर राज्यसभा नहीं जाने दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पर टिप्पणी करने वाले भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा पर कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि विजयवर्गीय काफी योग्य नेता है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में काफी मेहनत की। उसके बाद उन्हें राज्यसभा में जाना चाहिए था, लेकिन नहीं जा पाए। दरअसल मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने उन्हें भाजपा में बेचारा बना रखा है,जबकि वे मेरे पिता दिग्विजय सिंह को बेचारा कहते है। सिंह ने कहा कि मंत्री नरोत्तम मिश्रा उनके पिता दिग्विजय सिंह के बारे में बयान देने के बजाए उनके विधानसभा क्षेत्र पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। मिश्रा तो महाराज भाजपा में है और न शिवराज भाजपा में, वे तो नाराज भाजपा के मुख्य अंग है।

जयवर्धन सिंह ने कहा कि ज्योतिरादित्य सिंधिया जब कांग्रेस में थे, तो उन्हें महत्वपूर्ण पद मिले। मैं भी उनका सम्मान करता था। कांग्रेस में कोई उनका राजनीतिक कद कम नहीं करना चाहता था, दरअसल वे लोकसभा में अपनी हार नहीं सहन कर पाए, लेकिन भाजपा में भी उनकी भूमिका संदिग्ध है। उन्होंने कहा कि भाजपा अलग-अलग गुटों में बंट चुकी है। नेता संगठन से अपना नियंत्रण खो चुके है। जनता ही इस बार भाजपा की सरकार नहीं चाहती है।

# तय समय से पहले हो सकते हैं लोस चुनाव : मायावती

### » बसपा पदाधिकारी जुलाई तक करें बूथ कमेटी का गठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा है कि तय समय से पहले लोकसभा चुनाव हो सकते हैं। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कि चुनावी तैयारी में जुट जाएं। बहन जी ने कहा कि बूथ कमिटी की गठन की डेटलाइन 30 अगस्त से घटाकर 30 जुलाई और कैडर कैंप की शुरुआत की तारीख एक सितंबर से बदलकर एक अगस्त कर दी गई है। बसपा प्रमुख ने कहा कि विकास पूरे प्रदेश का होना चाहिए, न कि समाजवादी पार्टी की हुकूमत की तरह कुछ विशेष जिले और खास क्षेत्र का। हिरासत में हत्याएं, अपराधियों में खुलेआम टकराव और सनसनीखेज हत्याओं ने लोगों में दहशत व असुरक्षा पैदा कर दी है।**

वर्तमान सरकार में भी पुलिस व प्रशासन के बेलगाम होने से यहां कानून का राज और न्याय दुर्लभ होने की चर्चाएं आम हैं, जबकि बसपा सरकार में हर तरफ कानून का राज था। मायावती ने कहा कि कमियों से ध्यान हटाने के लिए भाजपा सरकार ध्यान बंटाने के लिए जातिवादी, सांप्रदायिक विवादों को जानबूझकर पूरी तरह शह दे रही है। दलित औरै समुदाय विशेष के विरुद्ध भेदभाव एवं द्वेषपूर्ण रवैया संबंधी खबरें ही चर्चा में हैं। संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति का ही परिणाम है कि मणिपुर में नफरती हिंसा की आग थमने का नाम नहीं ले रही।

# बीजेपी के समय सबसे ज्यादा चर्च बने : भूपेश

### » भारत सरकार की अनुमति के बिना विदेशी फंडिंग कैसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बुधवार को धर्मांतरण, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के बयान, सहित गृहमंत्री अमित शाह के दौरे को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि, मैं तो कहता हूं बीजेपी के समय सबसे ज्यादा चर्च बने। इस बात का खंडन करके बताएं। उनके पास तो सारी एजेंसी है। भाजपा के लोग आरोप लगाते हैं प्रदेश में विदेशी फंडिंग हो रही है। उन्होंने कहा कि, भारत सरकार की अनुमति के बिना विदेश का पैसा कैसे आ सकता है। सारे एनजीओ पर शिकंजा कसा हुआ है। इसका मतलब आप सब करा रहे हैं।**

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि, 2006 के बाद छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने धर्मांतरण को लेकर कानून बनाया था।

## धर्मांतरण पर कानून बनाया, पर पास नहीं कराया

2006 में विधानसभा में बिल पारित हुआ, लेकिन ये आज तक अटका क्यों है। इसे पारित क्यों नहीं कराया। 15 साल इस राज्य में बीजेपी को मौका मिला। इसमें 2014 से लेकर 2018 तक केंद्र और राज्य में इनकी ही सरकार थी। सीएम बघेल ने कहा कि, आतंकिवादियों को छोड़ने कौन गया था। यही लोग गए थे। जम्मू-कश्मीर की जेल से छुड़ाया इन्होंने। नक्सली रमन्ना और गणेश का नाम चार्जशीट से क्यों हटाया गया।

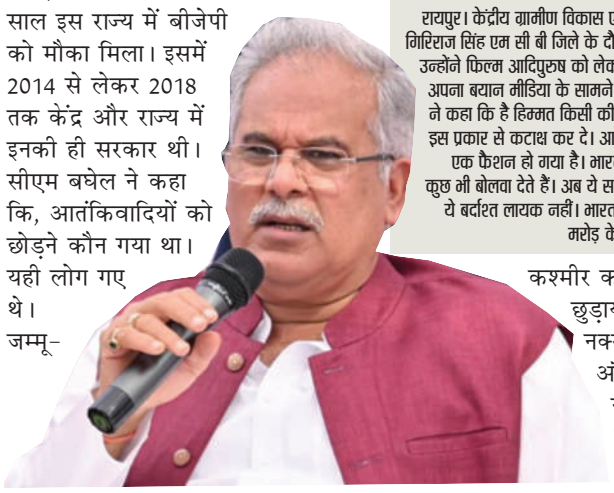

### देवी-देवताओं का अपमान बर्दाश्त नहीं होगा : गिरिराज

रायपुर। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह एम सी बी जिले के दौरे पर हैं। इसी दौरान उन्होंने फिल्म आदिपुरुष को लेकर चल रहे विवाद पर अपना बयान मीडिया के सामने दिया। गिरिराज सिंह ने कहा कि है हिम्मत किसी की जो दूसरे के धर्म को इस प्रकार से कटाक्ष कर दे। आज कल देश के अंदर एक फैशन हो गया है। भारत के देवी देवताओं से कुछ भी बोलवा देते हैं। अब ये सब बहुत हो गया। अब ये बर्दाश्त लायक नहीं। भारत में सनातन को तोड़ मरोड़ के दिखाया जा रहा है।

# संविधान बचाने को एक साथ आएं : डी राजा

### » भाकपा नेता बोले- भाजपा को उखाड़ फेंकना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**रांची। भाकपा नेता डी राजा का मानना है कि लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को हराने के लिए सभी सेक्युलर पार्टियां एक साथ आई हैं। अपने दो दिन के झारखंड दौरे पर राजा ने कहा कि देश की हालत गंभीर और परेशान करने वाली है। लोकतंत्र के खातिर भाजपा को उखाड़ फेंकना होगा। उन्होंने कहा कि समान विचारधारा वाली पार्टियों ने भाजपा को हराने के लिए एक साथ आना होगा। यह सत्ता पाने के लिए नहीं, बल्कि देश के संविधान, लोकतंत्र और उसके भविष्य को बचाने के लिए है।**

उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के साथ आने के बाद उनका नेता कौन होगा? इस पर बाद में चर्चा की जाएगी। नेता किसी को भी चुना जाए, हमें कोई आपत्ति नहीं होगी। सभी दल चर्चा करने के बाद ही निर्णय लेंगे। यूनाइटेड फ्रंट के गठन के समय हमने इसका अनुभव किया था और जीत के बाद नेता के नाम पर सवाल उठे थे। हालांकि, एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम के तहत चर्चा की गई। कोई दिक्कत नहीं हुई थी। सब कुछ ठीक चल रहा था।

**नेता पर बाद में चर्चा की जाएगी**

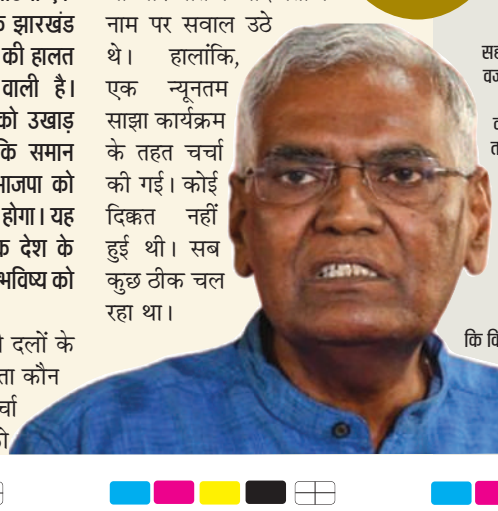

### आगे बढ़ाया जा रहा है आरएसएस का एजेंडा

भाकपा नेता डी राजा ने आरएसएस पर आरोप लगाया कि संघ भाजपा के सहारे अपना एजेंडा आगे बढ़ा रहा है। इस वजह से देश में दलितों, अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़े हैं। भाकपा नेता डी राजा ने कहा कि भाजपा जब से सत्ता में आई है, तब से आरएसएस बहुत ज्यादा आक्रमक हो गई है। वह भाजपा पर अपने एजेंडे को मानने के लिए दबाव बनाती है। दलितों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के ऊपर बढ़ रहे हिंसा का यही कारण है। इसके अलावा सार्वजनिक क्षेत्रों का निजीकरण किया जा रहा है। भाकपा नेता डी राजा ने कहा कि विपक्ष को संसद के पिछले सत्र में अदाणी का मुद्दा उठाने नहीं दिया गया। यह लांकतंत्र के लिए ठीक नहीं था।

### विपक्षी एकता की बैठक में हिस्सा नहीं लेंगे रालोद प्रमुख जयंत चौधरी

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर 23 जून को पटना में होने वाली बैठक में राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी हिस्सा नहीं लेंगे। हालांकि, उन्होंने पत्र लिखकर समर्थन जताया है। उन्होंने बताया कि पूर्व निर्धारित पारिवारिक कार्यक्रम के चलते वह बैठक में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। उन्होंने पत्र में लिखा है कि आज देश में अधिनायकवादी और सांप्रदायिक शक्तियां लोकतंत्र व सामाजिक समरता के लिए खतरा पैदा कर रही हैं ऐसे में विपक्षी दलों का एकजुट होना समय की मांग है। देश की अहम समस्याओं और चुनौतियों पर संवाद कर समूचा विपक्ष जनता के सामने एक दूरगामी, व्यावहारिक योजना प्रस्तुत कर सकता है। ऐसे में हम साथ मिलकर युवा, महिलाएं, किसान और वंचित समाज की आकांक्षाओं और विश्वास के साथ देश में सार्थक परिवर्तन ला सकते हैं। पटना में हो रही विपक्षी दलों की बैठक पर पूरे देश की नजरें टिकी हुई हैं। बैठक में कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में जो भी दल प्रभावी है सभी मिलकर उसका साथ दें। वहीं, यूपी में सपा की गठबंधन साथी रालोद का रुख प्रदेश में कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने पर है।

# सियासत है, करनी तो पड़ेगी! गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार पर घमासान

» भाजपा ने जयराम पर साधा निशाना

» सबकी नजर सिर्फ वोट बैंक पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गीता प्रेस को गांधी शांति पूरस्कार दिये जाने के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश के इस बयान पर कि यह सम्मान गोडसे को सम्मान देना जैसे,, पर बावल मच गया है। वह केवल भाजपा के ही निशाने पर नहीं आ गए हैं बल्कि अपनी पार्टी के कुछ नेताओं के आलोचना के शिकार बन गए हैं। मौके की नजाकत को समझते हुए कांग्रेस ने भी इससे किनारा कर लिया। वहीं भाजपा ने जयराम रमेश की तूलना मओवादी से कर दी है। ऐसे में जब लोकसभा चुनाव होने में एक साल रह गए हैं तो इसका चुनावी मुद्दा बनना तय था, सो सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष ने इस पर गाल बजाना शुरू कर दिया है। कहते है न सियासत है करनी तो पड़ेगी।

आजादी के अमृतकाल में स्व-संस्कृति, स्व-पहचान एवं स्व-धरातल को सुदढ़ता देने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा एक करोड़ रुपए का गांधी शांति पुरस्कार सौ साल से सनातन संस्कृति की संवाहक रही गीता प्रेस, गोरखपुर देने की घोषणा। हालांकि गीता प्रेस ने विवाद के बाद से पुरस्कार की धनराशि वापस करने की घोषण कर दी है। लेकिन विडम्बना है कि ऐसे मामलों को भी राजनीतिक रंग दे दिया जाता है। हर मुद्दे को राजनीतिक रंग देने से राजनीतिक दलों और नेताओं को कितना फायदा या नुकसान होता है यह अलग बात है लेकिन सही बात तो यह है कि ऐसे विवादों का खमियाजा देश को जरूर उठाना पड़ता है। 1800 पुस्तकों की अब तक 92 करोड़ से अधिक प्रतियां प्रकाशित करने वाले गीता प्रेस को इस पुरस्कार के लिये चुना जाना एक सराहनीय कार्य है। यह सम्मान मानवता के सामूहिक उत्थान, धर्म-संस्कृति के प्रचार-प्रसार, अहिंसक और अन्य गांधीवादी तरीकों से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन की दिशा में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है।

**1800** पुस्तकों की अब तक 92 करोड़ से अधिक प्रतियां कर चुका है प्रकाशित

## जयराम रमेश के बयान से कांग्रेस ने पल्ला झाड़ा

ऐसा ही ताजा विवादित बयान कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस पुरस्कार को लेकर दिया है। रमेश ने कहा कि गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार देना गोडसे और सावरकर को सम्मान देने जैसा है। हालांकि उनके बयान से उनकी ही पार्टी ने किनारा कर लिया है। ऐसे राजनीतिक लोग आकाश में पैबंद लगाना चाहते हैं और सछिद्र नाव पर सवार होकर राजनीतिक सागर की यात्रा करना चाहते हैं। क्योंकि सब जानते हैं कि गीता प्रेस प्रतिदिन सत्तर हजार प्रतियां प्रकाशित कर घर-घर में धर्म-संस्कृति-राष्ट्रीयता का दीप जला रहा है। अपनी किताबों के माध्यम से समाज में संस्कार परोसने व चरित्र निर्माण का काम भी यह संस्था कर रही है।

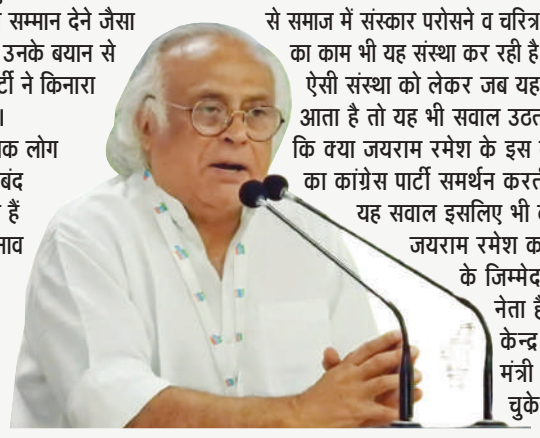

ऐसी संस्था को लेकर जब यह बयान आता है तो यह भी सवाल उठता है कि क्या जयराम रमेश के इस बयान का कांग्रेस पार्टी समर्थन करती है? यह सवाल इसलिए भी क्योंकि जयराम रमेश कांग्रेस के जिम्मेदार नेता हैं और केन्द्र में मंत्री भी रह चुके हैं।

## सौ वर्षों से गीता प्रेस छपाई में लगी

गीता प्रेस सौ वर्षों संस्कृति-निर्माण के कार्य में जुटी है। गीता प्रेस की पत्रिका है कल्याण। कल्याण की लोकप्रियता का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि अब तक इस पत्रिका के कई विशेषांकों (पहले अंक) के पाठकों की मांग पर अनेक संस्करण प्रकाशित करने पड़े। चाहे जैसी स्थितियां आईं, कल्याण अपने लक्ष्य, संकल्प व दायित्वबोध के प्रति पूरी तरह सजग रही। भारत बंटवारे का विरोध किया तो जरूरत पड़ने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू व राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का भी मार्गदर्शन किया।

## धर्म प्रचार करने का संविधान से मिला है अधिकार

वैसे भी हर धर्म व उससे जुड़ी संस्थाओं को अपने कामकाज के प्रचार-प्रसार का पूरा हक है। गीता प्रेस के बारे में देश के तमाम बड़े नेताओं और धर्मगुरुओं की राय सकारात्मक ही रही है। संस्था ने सकारात्मकता की एक ओर मिसाल पेश करते हुए किसी प्रकार का दान स्वीकार न करने के अपने सिद्धांत के तहत एक करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि लेने से इंकार कर दिया है। साथ ही सरकार से अनुरोध किया है कि वह इस राशि को कहीं और खर्च करे। गीता प्रेस जैसे सांस्कृतिक एवं धार्मिक अभियान के साथ इस विसंगतिपूर्ण आलोचना की बात सोचना ही विध्वंसात्मक सोच है। इस तरह की आलोचना राजनीतिक आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह के साथ बुद्धि का दिवालियापन है। हर मामले को राजनीतिक रंग में डुबोने की ताक में रहना राजनेताओं की फितरत-सी बनती जा रही है। लोकतंत्रीय पद्धति में किसी भी विचार, कार्य, निर्णय और जीवनशैली की आलोचना पर प्रतिबंध नहीं है। किन्तु आलोचक का यह कर्तव्य है कि वह पूर्व पक्ष को सही रूप में समझकर ही उसे अपनी आलोचना की छेनी से तराशे। किसी भी तथ्य को गलत रूप में प्रस्तुत कर उसकी आक्षेपात्मक आलोचना करना उचित नहीं है।

## गांधी-नेहरू से भी जुड़ी हैं यादें

भाईजी हनुमान प्रसाद पोद्दार द्वारा कल्याण के रूप में रोपा गया पौधा आज वटवृक्ष बन चुका है। लोगों का धर्म-संस्कृति के क्षेत्र में मार्गदर्शन कर रहा है। भाईजी व गांधीजी के बीच प्रेमपूर्ण संबंध थे। 'कल्याण' का पहला अंक 1926 में प्रकाशित हुआ था, इसमें गांधीजी का लेख भी छपा था। भाईजी यह अंक गांधीजी को भेंट करने गए थे। उन्होंने न सिर्फ कल्याण की प्रशंसा की, बल्कि यह आग्रह भी किया था कि कल्याण या गीता प्रेस से प्रकाशित होने वाली किसी पुस्तक में बाहरी विज्ञापन न प्रकाशित किया जाए, इससे कल्याण व पुस्तकों की शुचिता बनी रहेगी। इसका पालन आज भी गीता प्रेस करता है। कल्याण के विभिन्न अंकों में गांधीजी के लेख छपते रहे। आज भी गांधीजी द्वारा लिखा गया पत्र गीता प्रेस में सुरक्षित रखा गया है। गांधीजी के जीवन पर इस पत्रिका का अनूठा प्रभाव रहा है और उन्हीं के नाम पर दिये जाने वाले पुरस्कार के लिये गीता प्रेस से अधिक उपयुक्त पात्र कोई और हो नहीं सकता, यह बात जयराम रमेश को भलीभांति समझ लेनी चाहिए। सस्ती राजनीतिक वाह-वाही के लिये ऐसे बयानों से जयराम रमेश ने अपनी ही पार्टी एवं उसकी ऐतिहासिक विरासत को आहत किया है।

### निणार्यकों की मर्जी से होते हैं फैसले : दिग्विजय

गोरखपुर की गीता प्रेस को साल 2021 का गांधी शांति पुरस्कार से सम्मानित करने के मुद्दे पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि गांधी के विचारों का विरोध करने वाले को गांधी पीस प्राइस दें, यह ज्यूरी पर निर्भर है। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कहा कि गीता प्रेस देश की सबसे पुरानी प्रेस है। उस समय वह महात्मा गांधी के विचारों से सहमत नहीं थे। इस बात का उल्लेख जयराम रमेश ने किया है। अब गांधी पीस प्राइस उस प्रेस को दी जाए, जिसने गांधीजी की विचारधारा का विरोध किया है। यह तो ज्यूरी पर ही निर्भर करता है।

### कांग्रेस से क्या उम्मीद की जा सकती : रविशंकर

कांग्रेस से क्या उम्मीद की जा सकती है जिसने राम मंदिर निर्माण की राह में रोड़े अटकाए? जो तीन तलाक का विरोध करती है ... गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार पर उनकी टिप्पणी से ज्यादा शर्मनाक और क्या हो सकता है? हम इसकी निंदा करते हैं। मैं भारी मन से कहना चाहता हूं कि देश पर शासन करने वाली पार्टी में अब माओवादी मानसिकता वाले लोग हैं, वे राहुल गांधी के भी सलाहकार हैं और इसका पूरे देश को विरोध करना चाहिए।

### घमंड में चूर है कांग्रेस : बिसवा सरमा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिसवा सरमा ने भी कांग्रेस पर हमला बोला है। हिमंता ने कहा कि कर्नाटक में जीत के साथ ही कांग्रेस ने अब खुले तौर पर भारत के सभ्यतागत मूल्यों और समृद्ध विरासत के खिलाफ युद्ध शुरू कर दिया है, चाहे वह धर्मांतरण विरोधी कानून को रद्द करने या गीता प्रेस के खिलाफ आलोचना के रूप में हो। हिमंता ने कहा कि कर्नाटक में मिली चुनावी जीत के घमंड में चूर होकर कांग्रेस अब भारतीय संस्कृति पर खुला प्रहार कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत की जनता कांग्रेस को सही जवाब देगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# मणिपुर की अब तो सुध लें सरकार !

**कांग्रेस की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाए जा रहे हैं। मणिपुर के 10 विपक्षी दलों के नेताओं ने राज्य के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह पर ही हिंसा का सूत्रधार होने का आरोप लगाया है। पूर्वोत्तर में संघर्षों का एक लंबा इतिहास रहा है। हालांकि पिछले 5-7 वर्षों की बात करें तो जहां शांति लाने की कोशिश लगातार जारी है। लेकिन जिस तरीके से मई महीने के पहले सप्ताह से मणिपुर में हिंसा का दौर जारी है, उसने कहीं ना कहीं चिंताएं एक बार फिर से बढ़ा दी हैं। बड़ा सवाल यह है कि आखिर मणिपुर में पिछले डेढ़ महीने से ज्यादा वक्त से हिंसा का दौर क्यों जारी है।**

*पिछले 50 दिनों से मणिपुर में हालात बेकाबू हैं। गृहमंत्री से लकर हाईकोर्ट तक मामला पहुंच चुका है पर संभलने का नाम नही ले रहा है। अब विपक्ष भी मोदी सरकार पर सवाल उठाने लगा है। इसको लेकर राजनीति भी खूब हो रही और सवाल भी उठ रहे हैं कि ठोस कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं? पीएम मोदी के इस समय अमेरिका जाने पर भी लोगों की नाराजगी दिख रही है। लोग पूछ रहे हैं कि जब देश में एक राज्य इतनी दिक्कत में है तो पीएम विदेश में कैसे निश्चिंत रह सकते हैं। खैर राजनीति तो अपनी जगह है परंतु कुल मिलाकर मणिपुर की हिंसा चिंतनीय है। अब तक वहां हिसंक झड़पों में सैकड़ों की जान जा चुकी है। भारत व राज्य सरकार को अब गंभीरता से इस पर विचार करने की जरूरत है कि वहां पर हालात सुधरे आम जनजीवन पटरी पर आए। मणिपुर को लेकर कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दल भाजपा पर हमलावर है। कांग्रेस की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाए जा रहे हैं।*

*मणिपुर के 10 विपक्षी दलों के नेताओं ने राज्य के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह पर ही हिंसा का सूत्रधार होने का आरोप लगाया है। पूर्वोत्तर में संघर्षों का एक लंबा इतिहास रहा है। हालांकि पिछले 5-7 वर्षों की बात करें तो जहां शांति लाने की कोशिश लगातार जारी है। लेकिन जिस तरीके से मई महीने के पहले सप्ताह से मणिपुर में हिंसा का दौर जारी है, उसने कहीं ना कहीं चिंताएं एक बार फिर से बढ़ा दी हैं। बड़ा सवाल यह है कि आखिर मणिपुर में पिछले डेढ़ महीने से ज्यादा वक्त से हिंसा का दौर क्यों जारी है। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में 'जनजातीय एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद ये झड़पें शुरू हुई थीं। मणिपुर के 10 प्रतिशत भूभाग पर मेइती जनजाति समुदाय का दबदबा देखने को मिलता है। मणिपुर की कुल आबादी के लिहाज से इस समुदाय की हिस्सेदारी 64 फ़ीसदी से ज्यादा का है। इसका मतलब साफ है कि इस समुदाय का राजनीतिक दबदबा भी है। 60 विधायकों में से 40 विधायक इसी समुदाय से आते हैं। इस समुदाय का बड़ा हिस्सा हिंदू धर्म को मानता है। इसमें कुछ मुस्लिम बिरादरी के भी हैं। मणिपुर में 33 समुदायों को जनजाति का दर्जा मिला हुआ है। इसमें नागा और कुकी जनजाति मुख्य रूप से आते हैं। यह ईसाई धर्म का पालन करते हैं। अब मेइती समुदाय भी जनजाति का दर्जा की मांग कर रहा है। यही कारण है कि इस को लेकर बवाल मचा हुआ है। हालांकि मणिपुर के जनजाति समूहों को लगता है कि अगर मेइती को यह दर्जा मिल गया तो उनके लिए नौकरियों में अवसर कम हो जाएंगे।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# सॉफ्ट पावर निर्यात को बनाएं देश की ऊर्जा

ऋषभ मिश्रा

वैसे तो योग जीवन का एक अहम हिस्सा होना ही चाहिए, किन्तु इसे दिन विशेष के रूप में मनाने का प्रमुख उद्देश्य आध्यात्मिक और शारीरिक अभ्यास के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना है। इस बार के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का थीम मानवता के लिए योग है। हालांकि योग हमारे देश की ऐसी सॉफ्ट पावर है, जिसका लाभ हम कभी उठा ही नहीं पाए। वहीं पश्चिमी देशों में अब इसी योग को कभी माइंडफुलनेस के नाम से तो कभी वैलनेस के नाम से बेचा जा रहा है।

भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जिसने दुनिया को योग निर्यात किया है। भारत ने दुनिया को योग के जरिए ये बताया है कि जीवन जीने की पद्धति क्या होनी चाहिए। योग असल में जीवन जीने की एक पद्धति है, जिसे भारत ने पूरी दुनिया को निर्यात किया है। हमारा देश आजादी के बाद से योग की सॉफ्ट पावर का उस तरह से विस्तार नहीं कर पाया जिस तरह से दक्षिण कोरिया ने कोरियन पॉप (के-पॉप) को अपनी ताकत बनाया। अमेरिका ने हॉलीवुड की फिल्मों के जरिए अपनी सुपर पावर वाली पहचान बनाई, जबकि योग हमें भारतीय संस्कृति से मिला सबसे कीमती तोहफा अथवा उपहार है। हजारों साल पुराना योग आज भी नया और प्रासंगिक है। योग शब्द का सबसे प्राचीन उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है। द्वापरयुग में भगवान श्री कृष्ण ने गीता में योग के महत्व की व्याख्या की थी, और इसे आत्मा से परमात्मा तक पहुंचने की एक शैली बताया था।

इसके अलावा हिन्दू मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव को सबसे बड़ा योगी माना गया है और कई वैज्ञानिकों के अध्ययनों में इस बात का जिक्र भी है। कुछ वर्ष पहले अमेरिकन इंस्टिट्यूट ऑफ वैदिक स्टडीज ने भगवान शिव को योग का ग्रैंड-मास्टर बताया था, और इसी अध्ययन में ये भी लिखा था कि भगवान शिव का नटराज अवतार यानी कि शिव की नृत्य करते हुए अलग-अलग मुद्राएं, अलग-अलग योगासनों को जन्म देती हैं। सूर्य नमस्कार योग के सबसे चर्चित आसनों में से एक है, क्योंकि इसमें 12 अलग-अलग तरह के आसन एक साथ किए जाते हैं। यह बात आश्चर्य में डालने वाली है कि 30 मिनट तक सूर्य नमस्कार करने से लगभग साढ़े चार सौ कैलोरी बर्न होती है। जबकि किसी जिम में 30 मिनट तक वेट-लिफ्टिंग करने या व्यायाम करने से 199 कैलोरी और 30 मिनट तक दौड़ने से लगभग 414 कैलोरी बर्न होती है। यानी जो लोग कैलोरी बर्न करने को फिटनेस का पैमाना मानते हैं उनके लिए भी योग सबसे अच्छा व्यायाम साबित हो सकता है। महर्षि पतंजलि को योग का जनक माना जाता है, और पश्चिमी देशों में योग का प्रचार प्रसार करने का

श्रेय स्वामी विवेकानंद को दिया जाता है। वर्ष 1893 में जब अमेरिका के शिकागो में स्वामी विवेकानंद ने विश्व धर्म संसद को सम्बोधित किया था, तब उन्होंने पश्चिमी देशों का परिचय योग से भी कराया था। लेकिन विडंबना यह है कि लोकप्रियता के बावजूद इसे वहां लोग योग के नाम से नहीं जानते हैं।

अमेरिका, ब्रिटेन और बाकी पश्चिमी देशों में भारत के योग और अध्यात्म को अब अलग-अलग नामों से जाना भी जाता है और बेचा भी जाता है। अमेरिका में अध्यात्म के लिए माइंडफुलनेस शब्द का इस्तेमाल होता है। इसी तरह ब्रिटेन में योग और अध्यात्म के लिए वैलनेस और मैडिटेशन जैसे शब्दों का इस्तेमाल होता है, और इसके जरिए बड़ी प्राइवेट मल्टीनेशनल कंपनियां हजारों करोड़ों रुपये कमा रही हैं। आज अमेरिका में योग का कारोबार 1 लाख 20 हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा का है। ब्रिटेन में 7 हजार 920 करोड़ रुपये, चीन में लगभग 27 हजार करोड़ रुपये और ऑस्ट्रेलिया में योग का कारोबार 4700 करोड़ रुपये का है। लेकिन इन देशों में ये कारोबार वेलनेस इंडस्ट्री के नाम पर होता है न कि योग के नाम पर।

भारत ने दुनिया को योग,आयुर्वेद और अध्यात्म दिया, लेकिन हम इन्हें भारत के ब्रांड के रूप में स्थापित नहीं कर पाए। जबकि अमेरिका और पश्चिमी देशों ने इसका पूरा फायदा उठाया। उदाहरण के लिए अमेरिका के कैनसस सिटी के एक कैथोलिक कॉलेज में वर्ष 2017 के पहले तक छात्रों को योग की क्लास दी जाती थी। लेकिन 2017 में वहां के कुछ लोगों ने इसका विरोध इस बात को लेकर किया कि योग हिन्दू धर्म का प्रचार प्रसार करता है, इसलिए इस पर रोक लगनी चाहिए। इस विवाद के बाद इस कॉलेज ने इसका नाम बदलकर लाइफस्टाइल फिटनेस रख दिया। इसी तरह से पश्चिमी देशों में योग के दौरान ऊं शब्द का उच्चारण नहीं किया जाता, बल्कि इसकी जगह इसमें धर्म से जुड़ी प्रार्थनाएं और मंत्रों का उच्चारण होता है।

जाहिर है कि योग के महत्व को हम अपने ही देश में कुछ कम आंक पाए हैं, जबकि दूसरे अन्य देशों में लोग इसके महत्व से भलीभांति परिचित हो चुके हैं, और इसको अपने अभ्यास में लेकर भी आने लगे हैं। कभी तो इसका नाम बदलकर तो कभी इसका स्वरूप बदलकर।

# एकीकृत कमान से ही बहु-नियंत्रण क्षमता

ले. जनरल एसएस मेहता (से.नि.)

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त करके सरकार ने सेना के अंगों में बहु-प्रतीक्षित एकीकृत प्रक्रिया विकसित करने वाले बदलावों पर अमल किया है, जिससे प्रभावशाली सामरिक निर्देशन, संयुक्त कमान के लिए थिएटर्स की पहचान, दोहराव का खात्मा, संसाधनों का बेहतरीन इस्तेमाल यकीनी बनाने और बृहद राष्ट्रीय शक्ति का स्तर बढ़ाने को आपसी तालमेल में इजाफा हो सकेगा। इस ध्येय की प्राप्ति के लिए किए जाने वाले यत्नों में उन जरूरी विषयों पर विचार करने की जरूरत है, जिनसे रूपांतर पर फर्क पड़ सकता है।

जैसा कि होना चाहिए और जैसा कि भारत को एक आत्मविश्वासपूर्ण, लोकतांत्रिक, बहु-सांस्कृतिक और आर्थिक एवं सैन्य रूप से शक्तिसंपन्न राष्ट्र की तरह देखा जाता है। वह जिसकी विचारधारा हमारे संविधान में लिखित लोकतंत्र के सिद्धातों के लिए प्रतिबद्ध है और जो विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में दुनिया के अग्रणी देशों में एक है, उसे बहु-ध्रुवीय विश्व में अपनी अलग पहचान वाला देश बनना है,किसी संभावित खतरे से निबटने के लिए व्यावहारिक और आत्मविश्वास पूर्ण क्षमता से लैस एक ऐसी स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय ताकत जो न किसी को दबाए व न ही आधिपत्य बनाए। वास्तव में, बहु-ध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था हमारे राष्ट्रीय हितों के लिए उपयुक्त होगी और भारत को बतौर एक ध्रुव अपनी जिम्मेवारी निभाने के लिए तैयारी करने की जरूरत है।

हमारे सीमा संबंधी हित उत्तर में पामीर पर्वत श्रृंखला से लेकर दक्षिण में हिंद महासागर में अफ्रीका के पूर्वी तटों से आगे मलक्का जलडमरू से परे दक्षिण प्रशांत महासागरीय क्षेत्र तक फैले हुए हैं। इस भौगोलिक परिधि के अंदर पैदा होने वाली ऐसी कोई स्थिति, जिससे हमारे वजूद को खतरा बने, तो वह हमारे लिए तत्काल और आगामी मध्यम अवधि के हिसाब से आंकलन करने और ध्यान देने की विषयवस्तु है। हमारी भौगोलिक सीमाओं में परमाणु हथियार से लैस वे विरोधी शक्तियां हैं, जिनके बारम्बार कृत्य दर्शाते हैं कि वे अपनी इलाकाई महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए वार्ता की बजाय युद्ध-परोक्ष या अपरोक्ष-का सहारा लेते हैं। उनकी सीमाएं हमारे उत्तर, पूर्व और पश्चिम से सटी हैं। अब संघर्ष क्षेत्र का दायरा थल-जल-नभ के अलावा अंतरिक्ष तक फैल चुका है और रिवायती तौर-तरीकों से बदल यह संकरित या मिश्रित युद्धक ढंग में तब्दील हो गया है। इसके अलावा, खतरा गतिज या गैर-गतिज क्षेत्र से बन गया है, जिसमें पर्दे के पीछे से नॉन स्टेट तत्वों से गठजोड़ बनाकर आतंकवाद, साइबर-इलेक्ट्रॉनिक और भ्रामक सूचनाएं जैसे हथकंडों से अराजकता फैलाई जाती है। ये सब हमारे लिए अपनी शांति कायम रखने और लड़ाई से पहले युद्ध जीतने की क्षमता को दरपेश खतरों की गहराई और विशालता जानने के संकेतक हैं।

भारत प्रायद्वीप वह सामरिक भूखंड है जिसका प्रसार हिंद महासागर में काफी अंदर तक है। ऐतिहासिक रूप से, उत्तर में पहाड़ रूपी प्राकृतिक सुरक्षा दीवार और यहां से होकर हुए आक्रमणों ने हमारी रणनीतिक सोच को सीमित और थल-केंद्रित कर डाला। यह हिंद महासागर में अंदर तक फैली हमारी तटीय सीमा और द्वीपों के उन बिंदुओं के सामरिक महत्व को गौण करने वाला है, वहां पर जकड़ बनाने से विश्व के व्यस्ततम नौवहनीय आवागमन को घोंटकर आधिपत्य बनाया जा सकता है। हिंद महासागर में, चाहे यह हमारे प्रायद्वीप की पूर्वी दिशा हो या पश्चिमी, आज हमें बड़ी शक्तियों की आपसी होड़ के पैंतरे देखने को मिल रहे हैं, इसका हिंद महासागरीय क्षेत्र को शांतिपूर्ण बनाए रखने पर गंभीर असर है। सेना की उत्तरी कमान के भौगोलिक कार्यक्षेत्र में चीन और पाकिस्तान की सरहदें और विशेष ध्यान योग्य जम्मू-कश्मीर इलाका आता है। किस्मत से, यहां हमें सामरिक फायदा मिल रहा है, क्योंकि हमारा इलाका ऐसा है जो अंदरूनी आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ा है, जिससे कि कुमुक और अन्य जरूरतों की वस्तुएं जल्द पहुंच सकती हैं, जबकि हमारे विरोधियों को आपूर्ति के लिए दुरूह और लंबी दूरी वाला रास्ता तय करना पड़ता है। शून्य से नीचे तापमान और निम्न ऑक्सीजन स्तर वाली ऊंचाइयों को सुरक्षित बनाने की कुंजी आपूर्ति श्रृंखला में है और इस लिहाज से हमारे इलाके की भौगोलिकता तमाम मुसीबतों से निबटने में सहायक है। उत्तरी कमान, जिसके तहत एक ओर चिनाब नदी के दक्षिण में अतंर्राष्ट्रीय सीमा के साथ पाकिस्तानी सरहद है तो पूरब में लद्दाख तक फैला इलाका है, यह एक सक्रिय थलीय रणक्षेत्र है। दूसरी सक्रिय सीमारेखा है, पूरब में चीनी सरहद, जोकि वर्तमान में पूर्वी कमान के कार्यक्षेत्र में है। तीसरी पाकिस्तान के साथ लगती अंतर्राष्ट्रीय सीमा है। मौजूदा पश्चिम, दक्षिण पश्चिमी और दक्षिणी कमानों को पश्चिमी थिएटर में रूपांतरित किया जाना चाहिए। तब हमारे उपमहाद्वीप पर बने खतरे का सामना उत्तरी, पूर्वी और पश्चिमी कमान के सम्मिलित रणनीतिक प्रयासों से हो सकेगा।

वायु सुरक्षा यकीनी बनाना विशुद्ध रूप से वायुसेना का काम है तथापि वायुसेना के लिए - जो है और जो होना चाहिए- वह है वायु और अंतरिक्ष रूपी बहु-अधिकारक्षेत्र में बढ़त बनाना, इससे सामरिक कार्य के लिए बनाए विशेष बल की क्षमता में भी बढ़ोतरी होगी। यह जरूरत वायुसेना के लिए दो थिएटर्स बनाती है। वायु सुरक्षा और सामरिक वायुक्षेत्र। वायु सुरक्षा देना किसी एक इकाई (सैन्य अंग) की जिम्मेवारी नहीं हो सकती और लगातार यह हो भी नहीं पाएगा। शांतिकाल के दौरान वायु सुरक्षा, जब विमानों की संख्या बढ़ रही हो, तब वह एक इकाई के अंतर्गत हो। हम रक्षा तंत्र और उत्पादन सुविधाओं पर विचार करने बैठें तो नाजुक बिंदुओं और विषयवस्तु की सूची बहुत लंबी हो जाती है और इसमें वायुसेना के लिए उसकी भौगोलिक स्थिति और सुरक्षा आवरण बनाए रखने वाले व्यवहार्य अवयवों की जरूरत पड़ती है।

## लर्निंग एक्टिविटीज

अपने बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए शैक्षिक गतिविधियों को उनकी दिनचर्या का हिस्सा बना सकते हैं। इसमें पहेलियां सुलझाना, एजुकेशनल गेम्स खेलना, साइंस एक्सपेरिमेंट करना या बेसिक मैथ्स स्किल की प्रैक्टिस करना आदि शामिल हो सकता है। आप इन गतिविधियों को उनकी उम्र और रुचियों के अनुसार मजेदार और इंटरैक्टिव बना सकते हैं।

# छुट्टियों में बच्चों को मानसिक और शारीरिक रूप से रखें व्यस्त

## साथ में रीडिंग करें

रीडिंग एक जरूरी एक्टिविटी है, जो बच्चों की कल्पना, भाषा कौशल और संज्ञानात्मक विकास को प्रोत्साहित करने में मदद करती है। ऐसे में बच्चों को छुट्टियों में व्यस्त रखने के लिए आप उनके रीडिंग कर सकते हैं। आप किताब पढ़ते हुए सवाल पूछकर या फिर कहानी पर चर्चा कर मनोरंजक बना सकते हैं।

गर्मी की छुट्टियां जहां बच्चों के लिए खुशियां लेकर आती हैं, तो वहीं अपने साथ बोरियत भी लेकर आती है। ऐसे में घर पर खाली बैठे-बैठे अक्सर बच्चे बोर होने की वजह से चिढ़चिढ़े हो जाते हैं। ऐसे में माता-पिता की जिम्मेदारी है कि वह उन्हें कुछ ऐसी एक्टिविटीज में इन्वॉल्व करें, जिससे बच्चे मानसिक और शारीरिक रूप से व्यस्त रहें। छुट्टियों का समय नए शौक विकसित करने का एक अच्छा समय है- जैसे पेंटिंग, साइकिलिंग आदि। अगर आपके बच्चे भी गर्मियों की छुट्टियों में अक्सर बोर होते रहते हैं, तो आप इन तरीकों से उनके समर वेकेशन को क्रिएटिव और मनोरंजन बना सकते हैं।



## क्रिएटिव टाइम

छुट्टियों में अगर आप बच्चों के कुछ क्रिएटिव कराना चाहते हैं, तो ड्राइंग, पेंटिंग, क्राफ्ट या ब्लॉक बिल्डिंग एक बढ़िया विकल्प हो सकते हैं। यह सारी गतिविधियां बच्चों को रचनात्मक बनाने के साथ ही उनकी समस्या को सुलझाने की क्षमता को बढ़ाती हैं।

## आउटडोर गेम्स

बच्चों के बेहतर विकास के लिए जरूरी है कि वह शारीरिक गतिविधियों में अपना समय बिताएं। ऐसे में उन्हें एक्टिव रखने के लिए आप उन्हें बाहर समय बिताने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। आप चाहें तो पार्क में खेलने, साइकिल चलाने आदि के लिए उन्हें प्रोत्साहित कर सकते हैं। बाहर खेलने से बच्चे न सिर्फ शारीरिक रूप से फिट रहेंगे, बल्कि उनका सोशल कॉन्टैक्ट भी बेहतर होता है।

## साथ में खाना खाएं

बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए यह बेहद जरूरी है कि वह अपने एक अच्छा फैमिली टाइम बिताएं। ऐसे में भोजन करना साथ में समय बिताने का एक अच्छा तरीका है। यह न सिर्फ उनकी स्वस्थ खाने की आदतों को बढ़ावा देता है, बल्कि परिवार के साथ अपने रिश्ते बेहतर करने का अवसर भी देता है।



## हंसना मना है

संजना तीसरी बार ड्राइविंग लाइसेंस का इंटरव्यू देने पहुंची, ऑफीसर- अगर एक तरफ आपके पति हो और दूसरी तरफ आपका भाई हो तो आप किसको मारोगी? संजना-पति, आफिसर- अरे मैडम आपको तीसरी बार बता रहा हूं की आप ब्रेक मारोगी?

कंप्यूटर इंजीनियरिंग की लड़की को किसी लड़के ने छेड़ा, उसका गुस्सा ऐसे निकला- अरे ओ पेन ड्राइव के ढक्कन, पैदाइशी इरर, वाईरस के बच्चे, E&cel की Corrupt File, ऐसा Click मारूंगी कि ज़मीन से Delete हो कर कब्र में Install हो जायेगा! समझे?

जब एक लड़की लड़के से क्लास में एक पेन मांगती है तो.. लड़का- कोनसा दूं? ब्लु, ब्लैक, रेड, ग्रीन? और जब एक दोस्त मांगे तब, लडका- हट साले लड़की देखने आता है स्कूल में बिना पेन के?

एक आदमी खड़े-खड़े चाबी से अपना कान खुजा रहा था..? दूसरा व्यक्ति उसे गौर से देखता हुए बोला- भाई साहब, आप स्टार्ट नहीं हो रहे, तो मैं धक्का लगाऊ?

## कहानी | लालची बिल्ली और बंदर

एक जंगल में सभी जानवर मिलजुल कर रहा करते थे। नियम का पालन करते और हर त्योहार साथ में मनाते थे। उन्हीं जानवरों में चीनी और मिनी नाम की दो बिल्लियां भी थीं। वे दोनों बहुत अच्छी सहेलियां थीं और एक दूसरे का साथ कभी नहीं छोड़ती थीं। यहां तक कि वो दोनों खाना भी साथ ही खाती थीं। जंगल में रहने वाले सभी जानवर उनकी दोस्ती की सभी तारीफ किया करते थे। एक बार मिनी को किसी काम से बाजार जाना पड़ा, चीनी का अकेले मन नहीं लग रहा था, तो उसने सोचा कि क्यों न वो भी बाजार घूम कर आए। रास्ते में उसे एक रोटी का टुकड़ा मिला। वह रोटी लेकर घर आ गई। जैसे ही वह रोटी के टुकड़े को खाने वाली थी, तभी अचानक मिनी आ गई। मिनी ने उससे पूछने लगी कि चीनी हम तो सब कुछ बांटकर खाते हैं और तुम तो मेरे साथ ही खाना खाती थी। चीनी ने मिनी को देखा तो डर गई और मन ही मन मिनी को कोसने लगी। इस पर चीनी ने हड़बड़ाहट में कहा कि अरे नहीं बहन मैं तो रोटी को आधा-आधा कर रही थी, ताकि हम दोनों को बराबर रोटी मिल सके। मिनी सब समझ गई थी और उसके मन में भी लालच आ गया था, लेकिन कुछ बोली नहीं। जैसे ही रोटी के टुकड़े हुए, मिनी चीख पड़ी कि मेरे हिस्से में कम रोटी आई है। रोटी चीनी को मिली थी इसलिए, वो उसे कम देना चाहती थी। फिर भी वो बोली कि रोटी तो बराबर ही दी है। इस बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया और धीरे-धीरे यह बात पूरे जंगल में फैल गई। सभी जानवर उन दोनों को लड़ते हुए देख रहे थे। उसी समय वहां एक बंदर आया और उसने कहा कि मैं दोनों के बीच में बराबर रोटी बांट दूंगा। सभी जानवर बंदर की हां में हां मिलाने लगे। न चाहते हुए भी दोनों ने बंदर को रोटी दे दी। बंदर कहीं से तराजू लेकर आया और दोनों ओर रोटी के टुकड़े रख दिए। जिस तरफ वजन ज्यादा होता, वो उस तरफ की थोड़ी-सी रोटी यह बोलकर खा लेता कि इस रोटी को दूसरी तरफ रखी रोटी के वजन के बराबर कर रहा हूं। वो जानबूझकर ज्यादा रोटी का टुकड़ा खा लेता, जिससे दूसरी तरफ की रोटी वजन में ज्यादा हो जाती। ऐसा करने से दोनों ओर रोटी के बहुत छोटे-छोटे टुकड़े बचे। बिल्लियों ने जब इतनी कम रोटी देखी तो बोलने लगीं कि हमारी रोटी के टुकड़े वापस दे दो। हम बची हुई रोटी को आपस में बांट लेंगे। तब बंदर बोला कि अरे वाह, तुम दोनों बहुत चालाक हो। मुझे मेरी मेहनत का फल नहीं दोगी क्या। ऐसा बोलकर बंदर दोनों पलड़ों में बची हुई रोटी के टुकड़ों को खाकर चला गया और दोनों बिल्लियां एक दूसरे का मुंह तांकती रह गईं।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**
आपके लिए आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। प्रेम जीवन के लिए दिन अच्छा रहेगा। गृहस्थ जीवन जीने वालों को अच्छे नतीजे मिलेंगे।

**तुला**
आपके लिए आज का दिन सामान्य रहेगा। परिवार में चली आ रही कुछ परेशानियों की वजह से मानसिक तनाव बढ़ेगा। प्रेम जीवन में आनंद आएगा।

**वृषभ**
आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आपको अपनी परफॉरमेंस के लिए बॉस का समर्थन प्राप्त होगा। छात्रों को आज कहीं से करियर संबंधी शुभ समाचार मिलेगी।

**वृश्चिक**
आज का दिन नई सौगात लेकर आया है। आज अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ कठिन काम को करने की क्षमता प्रदान करेगा। आर्थिक पक्ष पहले से बेहतर रहेगा।

**मिथुन**
आपके लिए आज का दिन थोड़ा कमजोर रहेगा। गृहस्थ जीवन में कोई गलतफहमी उत्पन्न हो सकती है। प्रेम जीवन जीने वालों को अच्छा समय की प्राप्ति होगी।

**धनु**
आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आपको धन की प्राप्ति होगी, जिससे आपके रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे। प्रेम जीवन में दिन बढ़िया रहेगा।

**कर्क**
आज का दिन सामान्य रहने वाला है। पिछले कई दिनों से आप किसी बात को लेकर काफी परेशान चल रहे थें। अपनो की मदद से समाधान मिलना तय है।

**मकर**
आज आपका दिन अच्छा रहना वाला है। ऑफिस में आप अधिकारीयों के निकट रहेंगे साथ ही सहकर्मियों से किसी काम में सहयोग मिलेगा।

**सिंह**
आपके लिए आज का दिन कमजोर रहेगा। सेहत बिगड़ सकती है। आप बीमार पड़ सकते हैं, इसलिए थोड़ी सावधानी बरतें। प्रेम जीवन में उतार-चढ़ाव रहेगा।

**कुम्भ**
आपके लिए आज का दिन उतार-चढ़ाव से परिपूर्ण रहेगा। गृहस्थ जीवन के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। जीवनसाथी अपने दिल की बात आपसे कहेगा।

**कन्या**
आज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है। आज आपको कुछ नई चीजों को सीखने की जरूरत है। आज आपको काफी धन लाभ का योग है।

**मीन**
आज का दिन सामान्य रहने वाला है। आज आपको कामकाज के बारे में गंभीरता से विचार करने की जरुरत है। दूसरों की सलाह पर ध्यान दें।

बॉलीवुड | मन की बात

# संघर्ष के दिनों को याद कर भावुक हुए विवेक

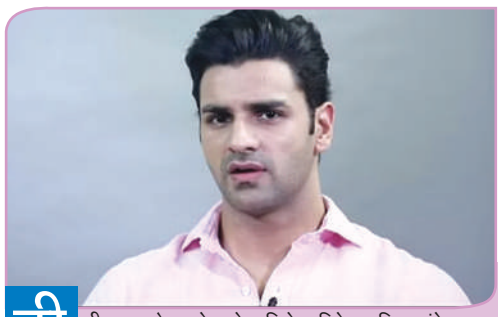

टी वी जगत के जाने माने अभिनेता विवेक दहिया लंबे ब्रेक के बाद बड़े पर्दे पर अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने 'ये हैं मोहब्बतें' कि कवच-काली शक्तियों से' और 'कयामत की रात' जैसे कई टीवी शो में अभिनय किया है। उन्होंने कई फेमस वेब शो में भी काम किया है। इन सब के बावजूद आज भी विवेक पर टीवी एक्टर का टैग लगता है। अब अभिनेता ने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए अपना दर्द बयां किया है। पिछले दिनों खबर आई थी कि विवेक जल्द ही बॉलीवुड में नजर आने वाले हैं। दरअसल, विवेक 'चल जिंदगी' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। यह फिल्म एक रोड ट्रिप पर आधारित है। हालांकि, छोटे पर्दे से लेकर बॉलीवुड तक विवेक का सफर आसान नहीं था। शो 'ये हैं मोहब्बतें' के बाद विवेक को काम मिलना बंद हो गया था और लंबे समय तक उन्हें खाली बैठना पड़ा था। संघर्ष के दिनों को याद कर विवेक ने कहा कि मैंने लगभग तीन साल छोटे पर्दे पर काम किया। बाद में अपनी पत्नी दिव्यांका के साथ एक रिएलिटी शो 'नच बलिए' में भी भाग लिया। उस शो से हमें लोकप्रियता तो मिली, लेकिन काम नहीं मिला। बाद में मैंने सोचा मैं बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार हूं। मेरे पास अपने कंधे पर एक फिल्म ले जाने की क्षमता है। अब काफी साल जब मैं बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार हुआ तो मुझे यह एहसास हुआ कि मुझ पर टीवी एक्टर का ठप्पा लगा दिया गया है।' विवेक ने आगे कहा कि मैंने इतने भी टीवी शोज नहीं किए हैं, जिस आधार पर मुझपर टीवी एक्टर का ठप्पा लगाया जाता है। मैं जब भी ऑडिशंस देने जाता तो प्रोड्यूसर्स कहते कि तुम्हारे अंदर क्षमता तो है, लेकिन तुम टीवी से हो। तुम्हें टीवी में काम नहीं करना चाहिए था।' मुझसे कहा गया कि तीन-चार साल घर पर बैठो और ऑडिशन देते रहो। आपको बता दें कि विवेक अपनी आगामी फिल्म 'चल जिंदगी' को लेकर लगातार चर्चा में चल रहे हैं। इस फिल्म में अभिनेता दिग्गज गायक कुमार शानू की बेटी शैनन के साथ स्क्रीन साझा करते हुए नजर आएंगे। इसके अलावा अब विवेक ने छोटे पर्दे से दूरी बना ली है और अब अपना करियर बॉलीवुड में ही बनाना चाहते हैं।

# ढोल की थाप पर जमकर थिरके कार्तिक-कियारा

कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी स्टारर फिल्म सत्यप्रेम की कथा इन दिनों काफी चर्चा में है। यह एक रोमांटिक फिल्म होने वाली है। इसमें कार्तिक और कियारा की जोड़ी लोगों को काफी पसंद आ रही है। इस फिल्म का गाना सुन सजनी रिलीज हो गया है। इस गाने में कियारा आडवाणी लाल रंग का लहंगा पहनकर गुजराती लुक में नजर आ रही हैं तो वहीं कार्तिक आर्यन गुजराती छोरा बनकर ढोल की थाप पर थिरकते हुए नजर आए। सुन सजनी गाने में कार्तिक और कियारा दोनों गरबा करते हुए और मस्ती में डूबे नजर आए। गानें में दोनों की केमिस्ट्री भी काफी सिजलिंग लगी। यह गाना आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। लोग इसे काफी पसंद कर रहे हैं और इसपर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। इस गाने में कियारा आडवाणी को देखने के बाद लोगों के दिलों की धड़कनें तेज हो गई हैं। बता दें कियारा और कार्तिक की यह दूसरी फिल्म होने वाली है।

**सत्यप्रेम की कथा का सुन सजनी गाना रिलीज**

बता दें कि सत्यप्रेम की कथा इसी महीने 29 जून को रिलीज होने वाली है। फिल्म को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। बता दें कि कार्तिक और कियारा की जोड़ी हिट है। इससे पहले दोनों भूल भुलैया 2 में नजर आए थे। यह मूवी सुपरहिट साबित हुई थी। ऐसे में अब लोगों का ये मानना है कि सत्यप्रेम की कथा भी बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई करने वाली है। हाल ही में इस मूवी का ट्रेलर रिलीज हुआ था जिससे ये साफ हो गया था कि फिल्म की कहानी काफी इमोशनल होने वाली है।

# मैं एक अभिनेता-कलाकार बना रहूंगा : आयुष्मान खुराना

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना एक बेहतरीन गायक भी हैं। उन्होंने कई हिट गानों को अपनी आवाज दी है। आज उन्होंने अपने सिंगर होने के बारे में बात की। आयुष्मान खुराना का कहना है कि वह एक अभिनेता-कलाकार बने रहेंगे। विश्व संगीत दिवस के मौके पर उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उनका नया एकल रातां कालियां चार जुलाई को रिलीज होगा। अभिनेता ने पानी दा रंग, साडी गली आजा, मिट्टी दी खुशबू जैसे कई हिट गाने दिए हैं। आयुष्मान ने साझा किया कि मैं एक अभिनेता-कलाकार बना रहूंगा, क्योंकि यह मुझे रचनात्मक रूप से संतुष्ट करता है। जब मुझे एक अभिनेता के रूप में अच्छी, नई और रोमांचित फिल्मों का हिस्सा बनने का मौका मिलता है तो यह एक बहुत अच्छी चीज है और मैं आपको बता सकता हूं कि मुझे भी ऐसा ही लगता है। जब मैं नए संगीत का हिस्सा बनता हूं तो उत्साहित होता हूं। मुझे लगता है कि मैं दोनों में शुद्धतावादी हूं और मौलिकता एक ऐसी चीज है, जिसने मुझे हमेशा प्रेरित किया है। मैं धन्य हूं कि मैं अभिनय कर सकता हूं, गा सकता हूं और लिख सकता हूं। मैं इस उपहार के लिए आभारी हूं, जो मुझे मिला है, क्योंकि मैं वास्तव में जीवंत महसूस करता हूं। जब मैं स्क्रीन पर या मेरे संगीत समारोहों के दौरान लोगों का मनोरंजन करता हूं या जब लोग मेरे संगीत पर झूमते हैं तो मुझे अच्छा लगता है। आयुष्मान ने आगे कहा कि मैं अपने करीबी दोस्त-संगीतकार और लंबे समय तक रचनात्मक सहयोगी रोचक कोहली के साथ अगले महीने अपने नए गाने रातां कालियां को रिलीज करने की उम्मीद कर रहा हूं। मुझे आशा है कि लोगों को नया म्यूजिक पसंद आएगा, जो इसे पेश करेगा। हम हमेशा हिट गाने देने में कामयाब रहे हैं और मेरी कामना है कि यह भी एक चार्टबस्टर बने। शुक्र है, मुझे रातां कालियां के लिए दर्शकों से बहुत प्यार मिला है, जिन्होंने इसे सुना है। मैं नए ट्रैक पर उनकी प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा हूं।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | 4 साल की उम्र में बन गई योगी

# मां के साथ बेटी करती है अजीबोगरीब मुद्राएं!

कहते हैं बच्चे सबसे ज्यादा चीज़ें अपने माता-पिता से सीखते हैं। इसे संस्कार कहिए या फिर कुछ और लेकिन बच्चे अक्सर वही करते हैं, जो अपनी पैरेंट्स खासतौर पर मां को करते हुए देखते हैं।

कुछ ऐसा ही हुआ है एक चार साल की छोटी बच्ची के साथ, जिसने मां को देखकर ऐसी शानदार योग मुद्राएं सीखीं हैं कि कोई भी उसे देखकर दंग रह जाए।

सोशल मीडिया पर इस बच्ची की तस्वीरें साल 2014 में ही वायरल हुई थीं और दुनिया भर में इसने सुर्खियां बटोरी थीं। योग की अजीबोगरीब मुद्राएं करती हुई ये बच्ची अमेरिका का न्यूजर्सी में रहती है और उसे ये आदत अपनी मां को देखकर लगी है। उसकी मां भी पिछले 26 साल से योग की प्रैक्टिस कर रही हैं और 45 साल की उम्र में भी उनके शरीर का लचीलापन देखकर आप आश्चर्य में पड़ जाएंगे।

**अब 13 साल की हो चुकी है योगा गर्ल:** बच्ची का नाम मिनी कैस्परज़ैक है, जो अपनी मां लॉरा कैस्परज़ैक के साथ छोटी सी उम्र से ही योग की प्रैक्टिस करती रही है। वो योगा इंस्ट्रक्टर भी हैं और बच्ची ने उन्हीं से 4 साल की छोटी उम्र में योग की शिक्षा ले ली। शीर्षासन, मयूरआसन और चक्रासन जैसे कठिन योग मुद्राएं लड़की छोटी सी उम्र में ही झट से कर लेती थी। मिनी अब 13 साल की हो चुकी है और अपने लचीले शरीर की वजह से डांस और जिम्नास्टिक में भी वो कई टाइटल जीत चुकी है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वो भी अपनी अजीवमेंट्स डालती रहती है।

**अजीबोगरीब मुद्राओं से जीत चुकी है दिल:** जब मिनी छोटी सी थी, तभी से मां के साथ उसके वीडियो इंस्टाग्राम पर लाखों में लाइक्स बटोरते थे। लोग उसके टैलेंट के फैन हो जाते थे। भला योग जैसे अनुशासन को इतनी छोटी उम्र में साधना कोई आसान बात थोड़े ही है।

# मर रहे हसबैंड को दिया तलाक लोगों ने ताने दिए तो फिर रचाई शादी

महिलाओं की चाहत होती है कि जिंदगीभर पति के साथ बना रहे। भारत में ऐसे कई मामले सामने आए हैं कि वर्षों से महिला पति से अलग रह रही थी, लेकिन जब उसे तकलीफ में देखा तो सबकुछ छोड़कर साथ आ गई। मगर हर किसी के साथ यह मुमकिन नहीं। अमेरिका की एक महिला ने तो मर रहे पति को ही तलाक दे दिया। लोग जब ताने देने लगे तो फिर शादी रचाई। लेकिन अंजाम और भी दर्दनाक था। न्यूयॉर्क में रहने वाली 40 साल की याना फ्राई जब तानों से तंग आ गईं तो उन्होंने अपनी कहानी दुनिया के सामने रखी। याना ने बताया कि जब वह 22 साल की थीं, तब उनकी शादी हुई थी। इसी बीच पला चला कि उनके पति को टेस्टिकल कैंसर है। याना ने कहा, मेरे सारे सपने टूट गए। हम वास्तव में अपने भविष्य के बारे में नहीं सोच सकते थे। जब आप कैंसर जैसी किसी चीज़ से जूझ रहे हों तो आप एक नव-विवाहित जोड़े के रूप में अपने भविष्य की योजना कैसे बना सकते हैं? ऊपर से मेरे पति को सिर्फ अपने बारे में चिंता थी। वह आत्ममुग्धता के शिकार हो गए थे। उन्हें दुनिया से कोई मतलब नहीं था। याना बताते-बताते बिलख पड़ीं। कहा- किसी ने हमारा साथ नहीं दिया। हमने तमाम डॉक्टरों को दिखाया, लेकिन कोई हमारी मदद नहीं कर पाया। किसी ने नहीं पूछा कि आपको कुछ मदद चाहिए या नहीं। मैंने पति का इलाज जारी रखा लेकिन बीमारी और बिगड़ती चली गई। मुझे उम्मीद थी कि शायद समय के साथ बीमारी ठीक हो जाएगी, लेकिन मैंने जैसे जैसे वक्त बीतता गया मैंने उम्मीद खोनी शुरू कर दी। पांच साल तक यह सबकुछ चला। मैं कुछ नहीं सोच पा रही है। मेरी खुद की तरक्की रुकी हुई थी। इसी बीच फ्राई की एक दोस्त ने खुदकुशी कर ली, क्योंकि वह अपने रिश्ते से तंग आ चुकी थी। तभी उसके दिमाग में भी सुसाइड का विकल्प आया। यहीं से फ्राई को डर लगने लगा। उसने सोचा, अगर खुद को नहीं बचाया तो शायद मैं भी मर जाऊं। उसने पति से तलाक ले लिया। यह जानकर लोग उसे लोभी-लालची तक कहने लगे। भयानक मैसेजेज किए गए। लोगों के तानों से तंग आकर फ्राई ने पति की मौत से 2 साल पहले फिर शादी की। लेकिन वह शादी नहीं चली।

# मणिपुर की हिंसा ने राष्ट्र की आत्मा पर किया गहरा आघात : सोनिया गांधी

» शांति एवं सौहार्द को बनाए रखें मणीपुरी लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मणिपुर में हिंसा पर दुख जताते हुए कहा कि इसने राष्ट्र की अंतरात्मा पर गहरा आघात किया है। उन्होंने प्रदेश के लोगों से शांति एवं सौहार्द की अपील की और उम्मीद जताई कि मणिपुर के लोग इस त्रासदी से उबरेंगे। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''मणिपुर के प्रिय भाइयों और बहनों, पिछले लगभग 50 दिनों से हम मणिपुर में एक बड़ी मानवीय त्रासदी देख रहे हैं। इस हिंसा ने आपके राज्य में हजारों लोगों का जीवन उजाड़ दिया है। मुझे यह देखकर बेहद दुख होता है कि लोग उस जगह को छोड़कर जाने के लिए मजबूर हैं जिसे वे अपना घर कहते हैं। अपने जीवन भर का बनाया हुआ सब कुछ पीछे छोड़ जाते हैं। शांतिपूर्वक एक दूसरे के साथ रहने वाले हमारे भाई-बहनों को एक-दूसरे के खिलाफ होते देखना बहुत दुखद है।'' सोनिया गांधी के मुताबिक, ''मणिपुर के इतिहास में विभिन्न जाति, धर्म और पृष्ठभूमि के लोगों को गले लगाने की शक्ति और क्षमता है। यह एक विविध समाज की संभावनाओं का प्रमाण है। भाईचारे की भावना को जिंदा रखने के लिए विश्वास और सद्भावना की जरूरत होती है, वहीं नफरत और विभाजन की आग को भड़काने के लिए सिर्फ एक गलत कदम की।'' उन्होंने कहा, ''आज हम एक निर्णायक मोड़ पर खड़े हैं। किसी भी राह पर चलने का हमारा चुनाव एक ऐसे भविष्य को आकार देगा जो हमारे बच्चों को विरासत में मिलेगा।

### 'एक मां के रूप में मैं आपके दर्द को समझती हूं'

मैं मणिपुर के लोगों, विशेष रूप से अपनी बहादुर बहनों से यह अपील करती हूं कि वे इस खूबसूरत धरती पर शांति और सद्भाव की राह का नेतृत्व करें।'' उन्होंने कहा, ''एक मां के रूप में मैं आपके दर्द को समझती हूं। मैं आप सभी से यह निवेदन करती हूं कि अपनी अंतरात्मा की आवाज को पहचानें। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में हम परस्पर विश्वास का मजबूती से पुनर्निर्माण करेंगे।''

### मणिपुर हिंसा के लिए बीजेपी जिम्मेदार : सीपीआई

सीपीआई नेता डी राजा ने भी मणिपुर हिंसा के लिए भाजपा को ही जिम्मेदार ठहराया। तीन मई से जारी मणिपुर हिंसा पर चुप्पी बनाए रखने के लिए राजा ने पीएम मोदी पर निशाना साधा। सीपीआई के वरिष्ठ नेता ने पहलवानों के मुद्दे पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि देश का नाम रोशन करने वाले पहलवानों का क्या हाल हो रहा है, लेकिन मोदी ने उनके लिए एक शब्द नहीं बोले। भाजपा सरकार सुशासन देने में असफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा झारखंड, दिल्ली और तमिलनाडु में गैर भाजपा सरकारों को परेशान करने के लिए सभी हथकंडे अपना रही है। उन्होंने कहा कि इन राज्यों के सरकारों को भाजपा डराने की कोशिश कर रही है। उन्हें ऐसा लगता है कि ऐसा कर वह नागरिकों को ठग सकते हैं लेकिन जनता समझती है कि मोदी सरकार ने देश के लिए क्या किया है।

# राज्य चुनाव आयुक्त के ज्वाइनिंग लेटर पर राजभवन की रोक

» बंगाल में पंचायत चुनाव से पहले फंस गया पेंच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**कोलकाता। बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने राज्य चुनाव आयुक्त के रूप में राजीव सिन्हा के ज्वाइनिंग लेटर को नामंजूर कर दिया है। बीती देर शाम पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने राजीव सिन्हा के ज्वाइनिंग लेटर को स्वीकार करने से मना कर दिया। इसके साथ ही राज्यपाल ने संबंधित फाइलों को सचिवालय को वापस भेज दिया।**

राजभवन के सूत्रों के मुताबिक, राज्यपाल ने बंगाल में पंचायत चुनाव से पहले हुई हिंसा को लेकर चर्चा समन भेजा था। इस समन को राजीव सिन्हा के इनकार कर दिया, जिस पर राज्यपाल ने कड़ी आपत्ति जताई है।

सिन्हा ने नामांकन दाखिल प्रक्रिया के बीच व्यस्त कार्यक्रम के कारण राज्यपाल के पास पहुंचने में असमर्थता के बारे में राजभवन को सूचित किया था। लेकिन इन सब के बीच अनिश्चितता इस बात को लेकर है कि क्या सिन्हा ऐसे में राज्य चुनाव आयोग की कुर्सी पर बने रह पाएंगे। वहीं अगर उन्हें बदलने की जरूरत पड़ी तो इस बात की पूरी संभावना है कि पंचायत चुनाव स्थगित करने पड़ेंगे।

फोटो:4 पीएम

**प्रदर्शन** बलरामपुर हॉस्पिटल में चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ के नेतृत्व में आज तीसरे दिन काला फीता बाँधकर प्रदर्शन करते पैरा मेडिकल कर्मचारी।

# गौमाता का नाम सिर्फ चुनाव में लेती है भाजपा : डोटासरा

## बोले-कांग्रेस ने की है गाय की सच्ची सेवा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**जयपुर। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने लंपी से मृत गायों के मुआवजे के मुद्दे पर बीकानेर में बीजेपी के सभा करने की घोषणा पर कहा, गौमाता बीजेपी का मुद्दा था, जिसके नाम पर ये अपनी चुनावी वैतरणी पार करते आए हैं। अब उनके पेट में मरोड़े इसलिए चल रहे हैं और ये बौखलाहट इसलिए है। क्योंकि कांग्रेस सरकार ने गौमाता के लिए 42 हजार किसान-गौपालकों को आर्थिक राहत और गौशालाओं को अनुदान की मदद पहुंचा दी है।**

बीजेपी के पास चुनाव में बोलने को मुद्दा नहीं बचा है। कांग्रेस सरकार ने 42 हजार किसानों को 40-40 हजार रुपये प्रति मृत गाय के हिसाब से जो 150 करोड़ रुपये दिए हैं। उन्हें पैसे देने पर राठौड़ ने आपत्ति की है और कहा है कि हम बीकानेर में इसे लेकर विरोध में कार्यक्रम करेंगे। मैं कहना चाहता हूं कि आप गौमाता के नाम से वोट ले लेकर केंद्र और विभिन्न राज्यों में सत्ता में आए हो, लेकिन वास्तव में गौमाता के प्रति सेवा करने का जज्बा है तो वो कांग्रेस की सरकार में है।

डोटासरा बोले, किसान के बेटों के साथ इन्होंने अन्याय किया है। सेना में अग्निवीर और अग्निपथ योजना के आधार पर भर्ती से किसान का बेटा और परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित चूरू, झुंझुनूं और सीकर में हुआ है। क्योंकि यहां से हजारों की संख्या में फौजी देश की सेना में भर्ती होकर काम करते हैं।

**सेना में अग्निवीर के नाम पर अन्याय**

### बीजेपी, आरएसएस और मोदी सरकार ने किसानों पर किया कुठाराघात

डोटासरा बोले, राजेंद्र राठौड़ ने यह भी कहा है कि हम लोग किसानों की कर्जामाफी नहीं होने के मुद्दे को लेकर झुंझुनूं में सभा करेंगे। मैं कहना चाहता हूं कि सबसे ज्यादा कुठाराघात बीजेपी, आरएसएस और केंद्र की मोदी सरकार ने किया है तो वो किसानों वर्ग पर किया है। 15 महीने तक तीन काले कानून लाकर उन्हें खून के आंसू रुलाया। 700 के करीब किसान शहीद हो गए। अब उसके ऊपर कोई बात नहीं करते हैं। तीनों काले कानून उनको वापस लेना पड़े। ये राजस्थान के भाजपा नेता जब विधानसभा में मौजूद थे। राजेंद्र राठौड़ उपनेता प्रतिपक्ष थे। एक दिन भी किसानों के पक्ष में उन्होंने पूरे आंदोलन के दौरान कभी कोई बात नहीं की। वो किसान के हितैषी कभी नहीं हो सकते।

# छेत्री का कमाल, पाक को 4-0 से रौंदा

» सैफ फुटबाल : भारत की शानदार जीत, सर्वाधिक गोल करने वाले दूसरे एशियाई खिलाड़ी बने छेत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**बेंगलुरू। सुनील छेत्री की हैट्रिक की मदद से भारत ने सैफ फुटबॉल चैम्पियनशिप मे अपने पहले मैच में पाकिस्तान को 4-0 से हराया। इसके साथ ही छेत्री अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने वाले दूसरे एशियाई खिलाड़ी बन गए। ईरान के अल देइ के 149 मैचों में 109 गोल हैं जबकि छेत्री के अब 90 गोल हो गए हैं।**

भारत ने मैच की शुरूआत से ही अपना फॉर्म और अनुभव दिखाना शुरू कर दिया था। वर्षा से प्रभावित मैच में पाकिस्तानी टीम भारत के सामने कहीं ठहर ही नहीं रही थी। छेत्री ने रविवार को भुवनेश्वर में लेबनान के खिलाफ इंटर कांटिनेंटल कप फाइनल में शानदार प्रदर्शन के बाद अपने घरेलू मैदान पर भी बेहतरीन खेल दिखाया।

भारत ने दसवें मिनट में छेत्री के फील्ड गोल के दम पर बढ़त बनाई। छह मिनट बाद छेत्री ने पेनल्टी पर गोल करके बढ़त दुगुनी कर दी। पहले हाफ में भारत के और भी गोल होते लेकिन पाकिस्तानी डिफेंस मुस्तैद हो गया था और भारत ने भी कुछ मौके गंवाये। भारत ने पहले हाफ में बढ़त जरूर बनाई लेकिन पाकिस्तानी खिलाड़ी को थ्रो इन से रोकने के गैर जरूरी प्रयास में कोच इगोर स्टिमक को लालकार्ड दिखाया गया और उन्हें डगआउट छोड़कर जाना पड़ा। इसके बावजूद भारत ने दूसरे हाफ में लय नहीं खोई। भारत ने 74वें मिनट में तीसरा गोल किया और इस बार भी गोल करने वाले भारतीय कप्तान छेत्री ही थे।

### पीसीबी ने एशिया कप का 'हाइब्रिड मॉडल' ठुकराया

**दुबई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के संभावित अगले अध्यक्ष जका अशरफ ने पाकिस्तान और श्रीलंका में सितंबर को होने वाले आगामी एशिया कप के लिये नजम सेठी के 'हाइब्रिड मॉडल' को ठुकरा दिया है। अशरफ ने इस्लामाबाद में कहा ,'' पहली बात तो यह है कि मैं पहले भी एशिया कप के हाइब्रिड मॉडल को खारिज कर चुका हूं क्योंकि मैं इससे सहमत नहीं हूं। एशियाई क्रिकेट परिषद के बोर्ड ने फैसला किया था कि यह टूर्नामेंट पाकिस्तान में होगा तो यहीं होना चाहिये।'' अशरफ के इस बयान के बाद भारत में इस साल के आखिर में होने वाले वनडे विश्व कप में पाकिस्तान की भागीदारी भी खटाई में पड़ गई है। समझा जाता है कि पाकिस्तान के सहमति जताने के बाद पीछे हटने से बीसीसीआई भी कड़ा रूख अपना सकता है।**

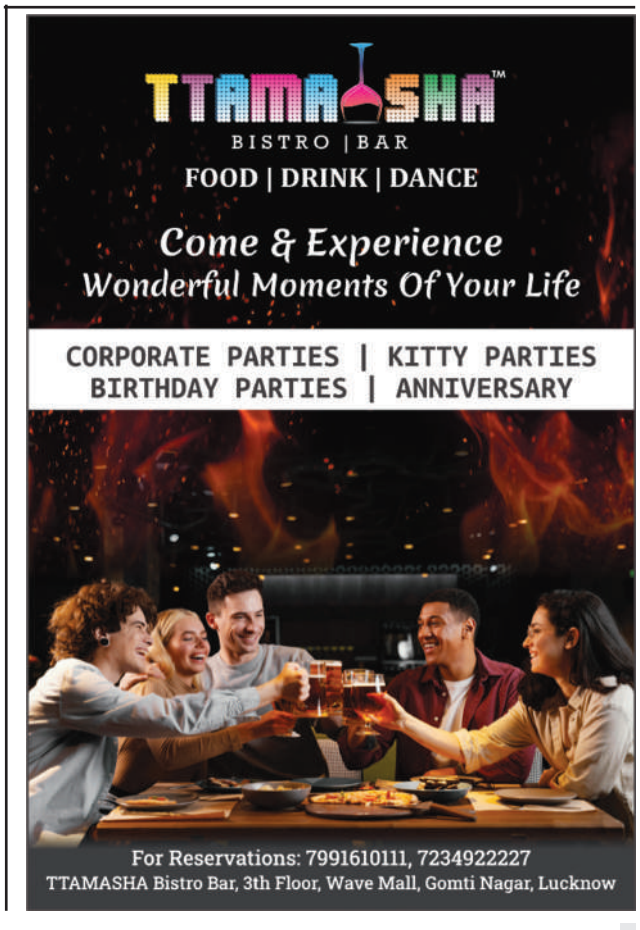

## शिंदे-फडणवीस सरकार ने लिया फैसला

# उद्धव ठाकरे परिवार को नहीं मिलेगी जेड प्लस की सुरक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस सरकार ने उद्धव ठाकरे परिवार को बड़ा झटका दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को दी गई जेड प्लस सुरक्षा वापस ले ली गई है। सूत्रों ने कहा कि उद्धव ठाकरे के काफिले में अतिरिक्त वाहनों और मातोश्री के बाहर सुरक्षा में भी कटौती की गई है।

महाराष्ट्र सरकार ने यह कार्रवाई ऐसे समय की है जब मुंबई नगर निगम में कथित कोविड घोटाले के सिलसिले में ईडी की छापेमारी चल रही है। हालांकिमुंबई पुलिस से इस बारे में जानकारी ली गई लेकिन मुंबई पुलिस की ओर से कहा गया है कि ऐसी कोई सुरक्षा में कटौती नहीं की गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को जेड प्लस सुरक्षा हटाकर वाई प्लस सुरक्षा दी गई है। जबकि आदित्य ठाकरे की वाई प्लस सुरक्षा वापस ले ली गई और उन्हें वाई स्तर की सुरक्षा दी गई। साथ ही विश्वस्त सूत्रों ने जानकारी दी है कि रश्मि ठाकरे और तेजस ठाकरे की सुरक्षा भी कम कर दी गई है। जहां ठाकरे परिवार की सुरक्षा कम कर दी गई है, वहीं उद्धव ठाकरे के पूर्व निजी सहयोगी और शिवसेना (ठाकरे गुट) के सचिव मिलिंद नार्वेकर की सुरक्षा बरकरार है। इससे शिवसैनिकों में असमंजस का माहौल है।

### अजित की विपक्ष के नेता पद से इस्तीफे की पेशकश

मुंबई। राकांपा नेता अजित पवार ने महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता पद से इस्तीफे की पेशकश की और कहा कि वह पार्टी संगठन में काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने पार्टी में कई सालों तक काम किया है। मैंने कई पदों पर काम किया है। नेता प्रतिपक्ष का पद वह नहीं है जिसकी मैंने मांग की थी। पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले पार्टी विधायकों के आग्रह पर मैंने यह पद चुना...लेकिन अब मैं विपक्ष के नेता का पद छोड़ना चाहता हूं। वे मुंबई के शनमुखानंद हॉल में राकांपा के स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शरद पवार ने राज्यसभा सांसद प्रफुल्ल पटेल और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले को पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्षों के रूप में घोषित किया। अजीत की अप्रत्याशित पेशकश के बाद उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने 2019 के विधानसभा चुनावों में राकांपा के कई विधायकों की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बिना देरी किए फैसले लिए।

# पिथौरागढ़ में गहरी खाई में गिरी बोलेरो, नौ की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बागेश्वर/बहराइच। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। यात्रियों से भरी बोलेरो दुर्घटनाग्रस्त होकर 500 मीटर गहरी खाई में गिर गई। नौ लोगों की मौत हो गई है, जबकि दो लोग घायल हो गए हैं। वहीं यूपी के बहराइच में भी एक 41 यात्रियों से भरी रोडवेज बस को ट्रक ने पीछे से ठोकर मार दी जिसमें एक व्यक्ति की जान चली गई।

बहराइच के फखरपुर थाना क्षेत्र के लखनऊ-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग गुरुवार सुबह लगभग 5: 30 बजे लखनऊ की तरफ से 41 यात्री को लेकर आ रही रोडवेज को पीछे से मोरंग लादकर आ रहे ट्रक ने ठोकर मार दिया। बस में पीछे बैठे एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई जबकि अन्य चार लोग घायल हो गए जिन्हें मामूली चोट आई है। मृतक की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। फखरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम अरई कला के पास सवारी उतार रही बहराइच डिपो की रोडवेज बस जो कि लखनऊ से बहराइच आ रही थी में पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दिया।

फोटो : 4 पीएम

**विरोध** आम आदमी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बिजली कटौती के विरोध में शक्ति भवन पर जोरदार प्रदर्शन किया। पुलिस ने समर्थकों को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेजा दिया।

# दिल्ली के मंडावली में मंदिर के बाहर रेलिंग तोड़ने पर बवाल

## लोगों का जबरदस्त विरोध भारी पुलिस बल तैनात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मंडावली में मंदिर की अवैध रेलिंग तोड़ने को लेकर प्रशासन और स्थानीय लोग आमने-सामने आ गए हैं। लोग प्रशासन की कार्रवाई के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। इस दौरान स्थानीय लोगों और मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प की भी बात सामने आ रही है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले प्रशासन ने खुरेजी रोड पर शिवपुरी में फुटपाथ किनारे अवैध रूप से पेड़ के नीचे बने छोटे से शिव मंदिर के ढांचे को कल बुधवार को को हटा दिया था। पुलिस की मौजूदगी में प्रशासन ने कार्रवाई की थी। ढांचे के हटने से फुटपाथ पर राहगीरों का आवागमन सुगम होगा। प्रशासन ने बताया कि पीडब्ल्यूडी की ओर से शिकायतें आ रही थीं कि पेड़ के नीचे अवैध रूप से मंदिर का ढांचा बनाया हुआ है।

### सूचना मिलते ही जुटे हिंदू संगठन

मंडावली में एक पेड़ के नीचे अवैध रूप से बनाए गए मंदिर के ढांचे को तोड़ने की सूचना मिलते ही बुधवार को कई हिंदू संगठन जुट गए। हनुमान चालिसा का पाठ किया। लोगों की भीड़ को देखते हुए पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा। लोगों ने पीडब्ल्यूडी के खिलाफ कार्रवाई की। प्रशासन ने बताया कि पीडब्ल्यूडी की तरफ से शिकायत मिली थी कि पीडब्ल्यूडी के फुटपाथ पर मंदिर का ढांचा बनाया गया है, साथ ही लोहे के जाल लगाकर काफी जगह कब्जा कर लिया गया है। इसके बाद एसडीएम प्रीत विहार ने ढांचे को तोड़ने के आदेश दिए हैं।

# नगर निगम सदन हंगामे के बाद स्थगित

## » कार्यकारिणी चुनाव में भाजपा के सभी प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम मुख्यालय पर नगर निगम कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हो गया। महापौर सुषमा खर्कवाल का आज पहला सदन था। सदन के पहले दिन ही पार्षदों ने हंगामा कर दिया। भाजपा एक पार्षद को कुर्सी नहीं मिली तो वह जमीन पर बैठ गया। उसके बाद बीजेपी के कई अन्य सदस्यों ने पार्षद प्रमोद राजन को मनाया। जिसके बाद सदन की कार्रवाई शुरू हुई। लेकिन इस दौरान कांग्रेस पार्षद मुकेश चौहान के भाषण के दौरान राजीव गांधी का जिक्र करने पर भाजपा पार्षदों ने हंगामा शुरू कर दिया जिसके बाद सदन को स्थगित कर दिया गया।

पहले दिन नगर निगम कार्यकारिणी चुनाव के लिए कार्यकारिणी सदस्य के लिए भाजपा पार्षद रानी कनौजिया, हरिश्चंद्र लोधी, रंजीत सिंह, सौरभ सिंह मोनू, गिरीश गुप्ता, मुकेश सिंह मोंटी, पीयूष दीवान, शैलेंद्र वर्मा, उमेश सानवाल, और अनूप कमल सक्सेना चुने गए। जबकि वरिष्ठ पार्षद सुशील कुमार तिवारी पम्मी को उप नेता , शिव कुमार यादव गुड्डू को मुख्य सचेतक ,राकेश मिश्रा को सचेतक और कोषाध्यक्ष पद के लिए राम नरेश रावत निर्विरोध निर्वाचित हुए। निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा के उपरांत महानगर अध्यक्ष विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा और महापौर सुषमा खर्कवाल ने सभी को बधाई दी और उज्जवल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर महानगर महामंत्री त्रिलोक सिंह अधिकारी और पुष्कर शुक्ला मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।